एम.ए.उत्तरार्द्ध सत्र–2012–13

परीक्षा 2013

तृतीय षट्मास

इस परीक्षा में 75–75 अंकों के पांच प्रश्न पत्र होगे तथा 25–25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे।

1. प्रथम प्रश्न पत्र– राजस्थानी पिंगल डिंगल साहित्य –43601
2. द्वितीय प्रश्न पत्र– राजस्थानी भक्ति–काव्य –43602
3. तृतीय प्रश्न पत्र– भाषा विज्ञान –43603
4. चतुर्थ प्रश्न पत्र– काव्यशास्त्र –43604
5. पंचम् प्रश्न पत्र– पाठालोचन –43605

चतुर्थ षटमास

इस परीक्षा में 75–75 अंको के पांच प्रश्न पत्र होंगे तथा 25–25 अंक आंतरिक मूलयांकन के होंगे।

1. प्रथम प्रश्न पत्र – राजस्थानी भाषा और व्याकरण –44601
2. द्वितीय प्रश्न पत्र– राजस्थानी काव्यशास्त्र –44602
3. तृतीय प्रश्न पत्र– राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन –44603
4. चतुर्थ प्रश्न पत्र– पाण्डुलिपि सम्पादन –44604
5. पंचम प्रश्न पत्र– लघु शोध प्रबन्ध –44605

प्रथम प्रश्न प्रत्र – राजस्थानी पिंगल और डिंगल साहित्य **75 अंक**
(पेपर कोड–43601)

प्रथम इकाई 15 अंक

संस्कृत और परवर्ती पालि, पाकृत और अपभ्रंश भाषाएं, पिंगल, डिंगल शैलियाँ : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप। पिंगल–डिंगल शैलियाँ : भाषागत विशेषताएँ, पिंगल–डिंगल शैलियाँ : भाषागत अंतर, पिंगल–डिगंल शैलियाँ : पिंगल (ब्रजभाषा) और डिंगल (मारवाडी भाषा के विभिन्न रूप) पिंगल काव्यों में ब्रज भाषा का प्रभाव डिंगल काव्यों में मारवाडी भाषा का प्रभाव।

इकाई द्वितीय 15 अंक

प्रारम्भकाल के कवियों की पिंगल एवं डिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई तृतीय 15 अंक

पूर्व मध्यकाल के कवियों की पिगंल एवं डिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई चतुर्थ 15 अंक

उत्तर मध्यकाल के कवियों की पिंगल एवं डिंगल काव्य की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई पंचम 15 अंक

आधुनिक काल के कवियों की पिंगल एवं डिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

सहायक ग्रंथ

राजस्थान का पिंगल साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया

डिंगल में वीर रस : डॉ. मोती लाल मेनारिया